दैनिक
क्रांति समय
2 YEARS ANNIVERSARY
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 01, बुधवार, 23 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

सार-समाचार

सुपर स्टार' कंपनियां काफी कुछ मुफ्त दे रही हैं, पर क्या ऐसा चलता रहेगा: राजन

दावोस। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि आज उपभोक्ताओं को काफी फायदा हो रहा है क्योंकि नई प्रौद्योगिकी के इस दौर में कई सेवाएं काफी सस्ती या निःशुल्क मिल रही हैं। हालांकि, उन्होंने सवाल किया कि देखने की बात यह होगी कि क्या यह आगे भी जारी रहेगा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक के एक सत्र को संबोधित करते हुए राजन ने मंगलवार को कहा कि बड़े उद्योगों से हमें काफी फायदा हो रहा है। बड़ी कंपनियों से दक्षता का लाभ मिल रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं को भी कम कीमत पर सेवाएं मिल रही हैं जिससे जनता को फायदा हो रहा है। राजन ने उदाहरण देते हुए कहा कि गूगल कई सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध कराती है। राजन शिकागो विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि कुछ भी मुफ्त नहीं आता, ऐसे में यह जानने की जरूरत है कि जब उपभोक्ता को कुछ मुफ्त में मिल रहा है तो उसके लिए कीमत कौन अदा कर रहा है। राजन ने कहा, ''निश्चित रूप से उन्हें कहीं और से पैसा मिल रहा है। हमें यह जानने की जरूरत है कि जब डाटा और प्रौद्योगिकी मंच की बात आती है तो क्या उपभोक्ताओं और विज्ञापनदाताओं के होने वाले राजस्व की तुलना की जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या भविष्य में प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी।

फरवरी में आंशिक तौर पर प्रभावित होगा बेंगलुरू हवाईअड्डे का व्यावसायिक परिचालन

मुंबई। पांच दिवसीय एयरशो के आयोजन के कारण बेंगलुरू हवाईअड्डे का व्यावसायिक परिचालन अगले महीने 10 दिन तक आंशिक रूप से बंद रहेगा। हवाईअड्डे का संचालन करने वाली कंपनी बीआईएएल ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। एयरशो का आयोजन बेंगलुरू के येलाहंका एयर बेस में 20 फरवरी से होगा।बेंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि एयरशो को देखते हुए केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 14 फरवरी से 24 फरवरी तक कुछ घंटे के लिये व्यावसायिक परिचालन में सक्षम नहीं होगा।इनमें अभ्यास के दिन, पूर्ण पूर्वाभ्यास के दिन, उद्घाटन समारोह तथा एयर शो के प्रदर्शन के दिन शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि वह न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिये उन विमानन कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है जिनका परिचालन उक्त अवधि में प्रभावित होने वाला है।

एनसीएलटी ने टाटा टेलीसर्विसेज के भारती एयरटेल में विलय को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने घाटे में चल रही टाटा टेलीसर्विसेज के भारती एयरटेल में विलय को मंजूरी दे दी है। इस विलय के लिए दूरसंचार विभाग की स्वीकृति आवश्यक है। भारती एयरटनेल ने बीएसई को दी गयी जानकारी में कहा है, माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, नयी दिल्ली की प्रधान पीठ ने 17 जनवरी, 2019 के अपने आदेश के जरिए टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड, भारती एयरटेल लिमिटेड और भारती हेक्साकॉम लिमिटेड एवं उनके हितधारकों एवं ऋणदाताओं के बीच व्यवस्था की समग्र योजना को मंजूरी दे दी है।

भारती हेक्साकॉम, भारती एयरटेल की अनुषंगी है। घाटे में चल रही टाटा टेलीसर्विसेज ने अक्टूबर, 2017 में भारती एयरटेल में विलय की घोषणा की थी।

बदल सकती है वित्त वर्ष की परंपरा, अब जनवरी से दिसंबर के बीच होगा नया फाइनेंशियल ईयर

नई दिल्ली: वर्तमान सरकार वित्त वर्ष के फार्मेट को पूरी तरह बदल सकती है. अगर ऐसा हुआ तो वित्त वर्ष काउंट करने की तारीख ही बदल जाएगी. सूत्रों के मुताबिक, बदलाव के बाद वित्त वर्ष की शुरुआत जनवरी महीने से होगी और खत्म दिसंबर महीने में होगी. यानी, वित्त वर्ष कैलेंडर ईयर के मुताबिक हो जाएगा. वर्तमान में इसकी शुरुआत अप्रैल महीने से होती है और खत्म मार्च महीने में होती है.

भारत के इतिहास में पिछले 152 वर्षों से वित्त वर्ष अप्रैल-मार्च चलता आ रहा है. आपको बता दें, साल 2016 में भी वित्त वर्ष को जनवरी से शुरू करने की चर्चा शुरू हुई थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बदलाव की वकालत की थी. अगर ऐसा होता है तो यह एक ऐतिहासिक बदलाव होगा. इससे पहले सरकार बजट को फरवरी में पेश करने की पुरानी परंपरा को बदल चुकी है. पिछले साल आम बजट 1 फरवरी को पेश किया गया था. वहीं, इस साल भी अंतरिम बजट 1 फरवरी को ही पेश होना है. ऐसे में वित्त वर्ष को बदलने का भी ऐलान जल्द हो सकता है.

अरुण जेटली ही पेश करेंगे अंतरिम बजट, 25 जनवरी को अमेरिका से लौटेंगे दिल्ली

इस फील्ड से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर वित्त वर्ष में बदलाव किया जाता है तो आम जिंदगी पर इसका बहुत ज्यादा असर नहीं होगा. हालांकि टैक्स प्लानिंग के लिहाज यह अहम बदलाव होगा. बता दें, खुद पीएम मोदी ने जब ये बात कही थी तो उनका तर्क था कि समय के खराब प्रबंधन की वजह से कई योजनाएं उतनी प्रभावी नहीं हो पाती हैं, जितनी होनी चाहिए. बता दें, अंतरिम बजट को लेकर हलवा सेरेमनी हो चुका है. बजट के दस्तावेजों का प्रिंटिंग चल रहा है. 25 जनवरी को वित्तमंत्री अरुण जेटली भी अमेरिका से वापस दिल्ली लौट आएंगे और वे ही बजट पेश करेंगे, ऐसी संभावना है.भारत में वित्त वर्ष एक अप्रैल से 31 मार्च तक होता है. ये व्यवस्था को 1867 में शुरू की गई थी और इससे भारतीय वित्त वर्ष का ब्रिटिश सरकार के वित्त वर्ष से तालमेल बैठाया गया था. इससे पहले तक भारत में वित्त वर्ष 1 मई को शुरू होकर 30 अप्रैल तक रहता था.

Baleno के एडवांस वर्जन की बुकिंग शुरू, ये हैं खास फीचर

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने बलेनो के उन्नत संस्करण की बुकिंग शुरू कर दी है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. मारुति सुजुकी ने बयान में कहा कि 11,000 रुपये का भुगतान करके नई बलेनो को बुक किया जा सकता है. कंपनी इस महीने के अंत में या फिर अगले महीने की शुरुआत में इस मॉडल को पेश कर सकती है.

नई बलेनो के बारे में जानकारी देते हुए एमएसआई ने कहा कि बलेनो का उन्नत संस्करण नए और आक्रामक फ्रंट डिजाइन से लैस होगा. इसके अलावा इसमें स्पीड अलर्ट प्रणाली, चालक के बगल वाली सीट के लिये सीट-बेल्ट- रिमाइंडर और रीयर पार्किंग सेंसर्स होंगे.महज इतने हजार देकर बुक कराएं नई 23 जनवरी को होगी लॉन्च

साल 2016 के बाद से बलेनो देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक है.

झारखंड का 85,429 करोड रुपए का बजट पेश, राजकोषीय घाटा 2 .26 प्रतिशत रहने का अनुमान

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मंगलवार को 2019-20 के लिए 85,429 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 2.26 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में वर्ष 2019-20 के लिए राज्य का 85,429 करोड़ रुपये का बजट पेश किया जिसमें राजस्व व्यय 65,803 करोड़ रुपये एवं पूंजीगत व्यय 19,626 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2019-20 में राजकोषीय घाटा 7,155.63 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो कि आगामी वित्त वर्ष के अनुमानित जीएसडीपी का 2.26 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में प्रावधान की गई सकल राशि को यदि अलग-अलग क्षेत्रों के आधार पर देखा जाए, तो सामान्य क्षेत्र के लिए 23,377 करोड़ रुपये, सामाजिक क्षेत्र के लिए 28,882 करोड़ रुपये तथा आर्थिक क्षेत्र के लिए 33,170 करोड़ रुपये उपबंधित किये गये हैं।

बजट अनुमान के अनुसार राज्य को अपने कर राजस्व से करीब 20,850 करोड़ रुपये तथा गैर कर-राजस्व से

10,674.20 करोड़ रुपये, केन्द्रीय सहायता से 13,833.80 करोड़ रुपये, केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी के रूप में 29,000 करोड़ रुपये, लोक ऋण से करीब 11,000 करोड़ रुपये तथा उधार तथा अग्रिम की वसूली से करीब 71 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 में प्रचलित मूल्य के आधार पर झारखंड राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 3,16,731 करोड़ रुपये आकलित किया गया है। यह वर्ष 2017-18 के 2,86,598 करोड़ रुपये की तुलना में 10.5 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। स्थिर मूल्य पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 2,36,866 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की 2,21587 करोड़ रुपये की तुलना में 6.9 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 8.73 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्त्तमान मूल्य पर प्रति व्यक्ति आय 83,513 रुपये होने का अनुमान है, जो वित्तीय वर्ष 2018-19 में 76,806 रुपये एवं 2017-18 में 70,728 रुपये थी।

झारखंड का 85,429 करोड रुपए का बजट पेश, राजकोषीय घाटा 2 .26 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली : विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं की कीमत में गिरावट के रूख के बावजूद स्थानीय बजार में शादी विवाह के मौसम की मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय निर्माताओं की लिवाली के समर्थन से मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 125 रुपये की तेजी के साथ 33,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. विदेशी बाजार में सोना तीन हफ्ते के निम्न स्तर पर आ गया था. वहीं सिक्का निर्माताओं की ओर से उठाव कम रहने के कारण चांदी 250 रुपये की गिरावट के साथ 39,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई.

सोने की गिन्नी के भाव में बदलाव नहीं

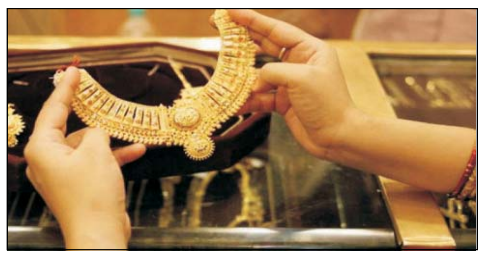

बाजार सूत्रों का कहना है कि चालू शादी विवाह के मौसम की वजह से स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की लगातार लिवाली से यहां सोने में सुधार दर्ज हुआ. राजधानी में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 125-125 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 33,325 रुपये और 32,175 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया. सोमवार को सोने में 40 रुपये की तेजी आई थी. हालांकि, 8 ग्राम वाली गिन्नी का भाव 25,500 रुपये पर स्थिर रहा.

चांदी हाजिर भाव 250 रुपये की हानि के साथ 39,850 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया जबकि चांदी साप्ताहिक डिलीवरी की कीमत 264 रुपये घटकर 38,876 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई. चांदी सिक्का स्थिर रहा. सिक्का लिवाल और बिकवाल क्रमशः 77 हजार रुपये और 78 हजार रुपये प्रति सैकड़ा पर पूर्ववत बोले गये. वैश्विक स्तर पर डॉलर मजबूत होने से अन्य मुद्राओं का उपयोग करने वाले लिवालों के लिए सर्राफा कीमतें और महंगी हो गई, इससे न्यूयॉर्क में सोना 0.13 प्रतिशत की हानि के साथ 1,278.90 डॉलर प्रति औंस रह गया. चांदी भी 0.46 प्रतिशत के नुकसान के साथ 15.26 डॉलर प्रति ट्राय औंस रह गया.

NCLT के बाहर दिवाला मामलों को निपटाने पर विचार, ये है प्लान

मुंबई: दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता कानून (IBC एक्ट) के अंतर्गत NCLT (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) कोर्ट में निपटारे के लिए ज्यादा वक्त लगने की वजह से बैंक नई प्रक्रिया पर विचार कर रहा है. नई प्रक्रिया के तहत 1000 करोड़ तक के कर्ज के मामले में बैंक लीड बैंक के जरिए प्रपोजल तैयार कर रहे हैं और 6 सदस्यीय कमिटी लीड बैंक के प्रपोजल की समीक्षा कर मामले का निपटारा करेगी.बैंको के समूह इंडियन बैंक एसोशिएशन के चीफ एग्जिक्यूटिव वीजी कन्नन के मुताबिक, 500 करोड़ तक के लोन मामलों में प्रमोटर NCLT में नहीं जाना चाहते हैं और बैठकों की इस प्रकिया से

मामलों का जल्द निपटारा किया जा सकता है. दरअसल, इब्स्क्ष के तहत कुछ सफलताएं जरूर मिली हैं लेकिन, इसमें काफी वक्त लगता है.और बढ़ी अनिल अंबानी की मुश्किलें, करोड़ों के बकाये के लिए पहुंचे कर्जदाताकई मामलों में कंपनियां में नहीं जाना चाहती हैं. दरअसल, मामला लॉ ट्रिब्यूनल तक पहुंच जाने के बाद प्रोमोटर का हक नहीं रह जाता है. इसके तहत सेक्शन 29 में बाहरी व्यक्ति ही कंपनी को खरीद सकता है. दूसरी तरफ 500 -1000 करोड़ तक के मामलों में थर्ड पार्टी ज्यादा दिलचस्पी भी नहीं दिखा रही है. इसलिए 500-1000 करोड़ के मामलों के लिए बैंक की तरफ से ये प्रयास किया जा रहा है. देनदार बैंकों के समूह में एक लीड बैंक को चुना जाएगा. इस मामले में लीड बैंक पर निपटारे की अहम जिम्मेदारी होगी. लीड बैंक प्रपोजल बनाएंगे और फॉरेंसिक ऑडिट करवाएंगे. इसके लिए 6 सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया जाएगा जिसमें अलग-अलग सेक्टर के लोग शामिल होंगे.यह कमेटी देखेगी की फॉरेंसिक ऑडिट में क्या किया गया है और लैंडर्स की मंजूरी मिली है कि नहीं. उम्मीद है .

राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़ी सूचनाएं सार्वजनिक करेगा गूगल

नयी दिल्ली। इंटरनेट प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल अपने प्लेटफॉर्म पर भारत से संबंधित राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़ी सूचनाएं आगामी मार्च से सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करेगी। इसमें चुनावी विज्ञापन खरीदने वाले व्यक्ति और संबंधित विज्ञापन की जानकारी होगी। गूगल ने भारत में इस साल अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनाव से पहले राजनीतिक विज्ञापनों के मामले में पारदर्शिता बढ़ाने के लिये यह कदम उठाया है। गूगल ने बयान में कहा, फ ऑनलाइन चुनावी विज्ञापन में और पारदर्शिता लाने के लिए कंपनी भारत पर केंद्रित एक 'राजनीतिक विज्ञापन पारदर्शिता रिपोर्ट' और एक सार्वजनिक आन लाइन राजनीतिक विज्ञापन लाइब्रेरी पेश करेगी जिसे लोग सर्च कर सकेंगे।रिपोर्ट और विज्ञापन लाइब्रेरी मार्च 2019 से हर किसी के लिए सीधे उपलब्ध होगी। कंपनी ने कहा है, '' इसमें चुनावी विज्ञापन खरीदने वाले के बारे में और विज्ञापन पर कितना खर्च किया जा रहा है, इसकी विस्तृत जानकारी होगी। गूगल की इस पहल का उद्देश्य ऑनलाइन राजनीतिक विज्ञापन में पारदर्शिता लाना है और मतदाताओं को चुनाव से संबंधित सूचनाएं देने में सक्षम बनाना है।

अगले 4-5 महीने में IL&FS मामले का हो जाएगा निपटारा, RBI से प्रोविजनिंग टालने की मांग

नई दिल्ली: कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री (स्ष्ट) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से ढ्ढरुस्नस् की ऐसी कंपनियों के लिए प्रोविजनिंग टालने की मांग की जिनके एस्क्रो अकाउंट में पर्याप्त फंड उपलब्ध हैं. स्ष्ट के मुताबिक इन कंपनियों के एस्क्रो अकाउंट में पैसे उपलब्ध हैं और कुछ महीने में बकाये का पेमेंट कर सकते हैं.

मंत्रालय का कहना है कि इससे बैंकों को फायदा होगा और उन्हें प्रोविजनिंग नहीं करनी पड़ेगी. मंत्रालय ने ऐसे कुछ सब्सिडियरी कंपनियों की पहचान की है और इनके लिए आरबीआई से स्पेशल डिस्पेंशन मांगेंगी. सरकार ने सब्सिडियरी कंपनियों की तीन कैटेगरी- रेड, ग्रीन और एम्बर बनाई है. ये स्पेशल डिस्पेंशन

एम्बर कैटेगरी के लिए मांगा जा रहा है.

संकट से जूझ रही IL&FS के अटके हुए प्रोजेक्ट्स एनएचएआई को सौंपे जाएंगे

इन कैटेगरी के तहत रेड कैटेगरी के एसेट्स को पूरी तरह बेचा दिया जाएगा. जिन कंपनियों के पास कैश फ्लो नहीं है उन्हें पूरी तरह बेचा जाएगा. मंत्रालय का कहना है कि अगले चार से पांच महीने में ढ्ढरुस्नस् मामले का पूरी तरह से निपटारा हो जाएगा.

पिछले दिनों कहा गया था कि संकट से जूझ रही कंपनी ढ्ढरुस्नस् के अटके हुए इंफ्रा प्रोजेक्ट जल्द ही एनएचएआई को सौंप दिए जाएंगे. इसके लिए आईएलएंडएफएस के नवगठित बोर्ड के अधिकारियों ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अटके हुए रोड प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की थी. नए बोर्ड अधिकारियों ने गडकरी से इन अटके हुए प्रोजेक्ट को सुलझाने के लिए मदद मांगी थी.

लगातार 13वें दिन पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, जानें आपके शहर का रेट

नई दिल्ली: पिछले 12 दिनों से पेट्रोल और डीजल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. 22 जनवरी को भी पेट्रोल डीजल की कीमत में करीब 20 पैसे तक बढ़ोतरी हुई है. दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 71.27 रुपये और डीजल की कीमत 65.90 रुपये है. कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 12 पैसे बढ़कर 73.66 रुपये और डीजल की कीमत 19 पैसे बढ़कर 67.68 रुपये है.मुंबई में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 13 पैसे बढ़कर 76.98 रुपये और डीजल की कीमत 20 पैसे बढ़कर 68.81 रुपये है. चेन्नई की बात करें तो एक लीटर पेट्रोल की कीमत 14 पैसे बढ़कर 73.99 रुपये और डीजल की कीमत 21 पैसे बढ़कर 69.62 रुपये है. नोएडा में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 11 पैसे बढ़कर 70.97 रुपये और डीजल की कीमत 16 पैसे बढ़कर 65.06 रुपये है. गुड़गांव में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 71.99 रुपये और डीजल की कीमत 65.67 रुपये है.ऊंचाई पर है. इस समय कच्चे तेल की कीमतें 63 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं. ऐसे में आगे भी पेट्रोल-डीजल के कीमतों में इजाफा हो सकता है.

मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, चीन के जो त्नष्ठक्कडेटा आए हैं, भले ही वो पिछले दो दशक में सबसे कम हैं, लेकिन वो उतने खराब नहीं जितना की उम्मीद की जा रही थी. ऐसे मे आने वाले दिनों में क्रूड ऑयल के दाम बढ़ सकते हैं. दूसरा, स्-चीन के बीच ट्रेड वॉर टेंशन कम होने की उम्मीद से भी तेजी बन रही है. दूसरी तरफ अमेरिका में अब भी कच्चे तेल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है, ऐसे में बहुत घबराने की स्थिति नहीं है. क्रूड में तेजी रहेगी, लेकिन ये 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच ही रहेगा.

संपादकीय

विपक्ष के प्रचार या दुष्प्रचार?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विपक्ष पर तीखा हमला कतई अस्वाभाविक नहीं है। जब विपक्षी दलों का एकमात्र एजेंडा प्रधानमंत्री को खलनायक साबित करना है तो उसका जवाब इन्हें देना ही है और उसमें प्रेम की भाषा नहीं हो सकती। मोदी ने यह हमला महाराष्ट्र और गोवा के अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत में किया है। भाजपा और मोदी के लिए एक बड़ी चुनौती विपक्ष के प्रचार(या दुष्प्रचार?) के बीच अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आत्मविास बनाए रखने की है। ममता बनर्जी द्वारा अयोजित रैली के बाद तो यह ज्यादा जरूरी हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने तेवर का आभास उसी दिन सिलवासा की रैली में दे दिया था। मौजूदा प्रति हमला उसी का विस्तार है। नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयत्न किया कि उनके खिलाफ इकट्ठे होने वाले चेहरे में ज्यादातर वे हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, या जो किसी राजनीतिक परिवार से आते हैं या जो अपने बेटे-बेटियों को राजनीति में स्थापित करना चाहते हैं। सामान्य अर्थों में यह विपक्ष की आलोचना का जवाब लग सकता है, किंतु इसमें सच्चाई भी है। जो चेहरे मंच पर दिख रहे थे, उनमें ज्यादातर इन तीन परिधियों वाले ही थे। वैसे भी वर्तमान राजनीति का यह ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है, जिसे कोई नकार नहीं सकता। हालांकि वे विपक्ष की आलोचना के साथ अपनी पार्टी और सरकार का पक्ष भी रख रहे हैं। इन दोनों के संतुलन से ही राजनीति सध सकती है। समर्थक और कार्यकर्ताओं को जान लगाकर काम करने की प्रेरणा केवल विपक्ष की आलोचनाओं के तीखे प्रतिवाद से नहीं मिल सकती। वे कह रहे हैं कि पहले की सरकारों में कार्यकर्ताओं की छवि दलालों की बनती थी, जबकि भाजपा-कार्यकर्ताओं की छवि देश के लिए काम करने वालों की है। दूसरे, वे यह भी विास दिला रहे हैं कि विपक्षी हल्ला बोल से यह मत मान लें कि चुनाव में उनका प्रदर्शन बेहतर होगा। ईवीएम की बात उठाकर वे अपनी पराजय पहले ही स्वीकार कर रहे हैं। इसके पूर्व राष्ट्रीय परिषद में भी नेताओं-कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों से संबंधित तय प्रपत्रों के साथ भाषणों द्वारा राजनीतिक एजेंडा समझाने की कोशिश की गई। विपक्ष की मोर्चाबंदी का सामना करने के लिए यह सब बिल्कुल स्वाभाविक है।

आबादी में साक्षरों और शिक्षितों इजाफा

आंकड़ों के मुताविक भारतीय आबादी में साक्षरों और शिक्षितों दोनों की संख्या में हर रोज इजाफा हो रहा है। वास्तव में यह सुखद स्थिति है। लेकिन मर्यादित भाषा के इस्तेमाल का जब सवाल सामने आता है तो पता चलता है कि इसमें निरंतर गिरावट आ रही है। देश के नागरिकों और मतदाताओं को प्रशिक्षण देने का ध्येय रखने वाले राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता भाषायी मर्यादा की लक्ष्मण रेखा को आये दिन लांघते रहते हैं। अभी बीते रविवार को भाजपा विधायक साधना सिंह ने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के प्रति जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह सचमुच शर्मनाक था और अधिक शर्मनाक यह था कि स्वयं एक महिला होते हुए भी एक दूसरी महिला के प्रति इस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। राजनीतिक नेताओं द्वारा इस तरह की अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल पहली बार नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षो से राजनीति में भाषाई अभद्रता लगातार बढ़ती गई है। विडंवना यह है कि अभद्र और शालीन और अशिष्ट भाषा का इस्तेमाल छुटभैये नेता ही नहीं, राष्ट्रीय दलों के बड़े नेता भी कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई बड़े नेता राफेल लड़ाकू विमान सौदे के मसले पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जिस तरह की अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए, कम है। अहम सवाल यह है कि राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों का सिलसिला कहां जाकर रुकेगा! वैसे तो यह सर्वदलीय चिंता का विषय है लेकिन भाजपा शासक पार्टी है और देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भी है। अन्य काम काज के साथ-साथ अपने चिंतन शिविरों में इस बात को शामिल करना चाहिए कि उसके नेता और कार्यकर्ता किस भाषा का इस्तेमाल करें। अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को मालूम होना चाहिए कि ऐसा करने से उनका पद और कद बढ़ता नहीं है, बल्कि उनकी साख गिरती है और पार्टी मुसीबत में पड़ती है। यह अच्छी बात है कि साधना सिंह ने माफी मांग ली है, लेकिन पार्टी को इनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई अन्य नेता इस तरह की अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल की हिम्मत न करे।

मूलभूत सुविधाओं के विकास

मूलभूत बात को समझे इस खबर का प्रभाव ऐसा है मानो कोई बहुत नेगेटिव बात हो गई हो। सच्चाई कुछ और है। इस बात को सरलता से समझा जाना चाहिए कि जब कोई भी व्यक्ति जब किसी प्रकार का भी लोन लेता है तो उसे डिपाजिट करने के लिए या उसकी एफडीआर बनाने के लिए नहीं लेता। ऋण किसी कारण से लिया जाता है-किसी निवेश हेतु या किसी आकस्मिक खर्चे से निपटने के लिए। यहां यह समझना भी जरूरी है कि कर्ज चाहे जिस कारण से लिया जाए मगर वह तभी लिया जाता है, जब उसको चुकाने की पर्याप्त क्षमता हो। कौन कितना ऋण ले सकता है, यह उसकी मजबूती पर निर्भर करता है। कर्ज की रकम को दो तरह से देखा जाना जरूरी है। एक उसका मकसद और दूसरा, उसको चुकाने की हैसियत। इसी परिप्रेक्ष्य में हमें उस खबर को भी देखना चाहिए जिसके अनुसार मोदी सरकार के कार्यकाल में सरकारी ऋण 55 लाख करोड़ से बढ़ कर 81 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

सतीश पेडणोकर

खबरें भ्रामक होती हैं। कुछ खबरें फेक होती हैं और कुछ खबरें समझने में आसान नहीं होतीं। आर्थिक विषयों से सम्बंधित खबरें उस श्रेणी की होती हैं, जिन्हें समझना आम जनमानस के लिए आसान नहीं होता। इन तीनों तरह की खबरों का उपयोग राजनैतिक रूप से किया जाता है। इसी तरह की एक खबर आयी कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ऋण देयताएं 50 प्रतिशत बढ़ गई हैं। बिना मूलभूत बात को समझे इस खबर का प्रभाव ऐसा है मानो कोई बहुत नेगेटिव बात हो गई हो। सच्चाई कुछ और है। इस बात को सरलता से समझा जाना चाहिए कि जब कोई भी व्यक्ति जब किसी प्रकार का भी लोन लेता है तो उसे डिपाजिट करने के लिए या उसकी एफडीआर बनाने के लिए नहीं लेता। ऋण किसी कारण से लिया जाता है-किसी निवेश हेतु या किसी आकस्मिक खर्चे से निपटने के लिए। यहां यह समझना भी जरूरी है कि कर्ज चाहे जिस कारण से लिया जाए मगर वह तभी लिया जाता है, जब उसको चुकाने की पर्याप्त क्षमता हो। कौन कितना ऋण ले सकता है, यह उसकी मजबूती पर निर्भर करता है।

कर्ज की रकम को दो तरह से देखा जाना जरूरी है। एक उसका मकसद और दूसरा, उसको चुकाने की हैसियत। इसी परिप्रेक्ष्य में हमें उस खबर को भी देखना चाहिए जिसके अनुसार मोदी सरकार के कार्यकाल में सरकारी ऋण 55 लाख करोड़ से बढ़ कर 81 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह वृद्धि लगभग 50 प्रतिशत है। जिस रिपोर्ट में इस वृद्धि को दिखाया गया है, उसी में यह भी कहा गया है कि देयताओं के बढ़ने का कारण राजकोषीय घाटे को मार्किट से लोन ले कर कण्ट्रोल करने का प्रयास मात्र है। राजकोषीय घाटा नवम्बर तक अपने लक्ष्य का लगभग 115 प्रतिशत था। इसका टारगेट 6.24 लाख करोड़ रुपये था, जो कि नवम्बर तक 7.17 लाख करोड़ है। इसका काफी बड़ा कारण रुपये की कमजोरी एवं क्रूड का बढ़ता दाम भी है एवं जीएसटी के कलेक्शन में अपेक्षा अनुसार स्थिरता की कमी। मगर हमें यह ध्यान रखना होगा कि क्रूड के दामों में कमी नवम्बर से आनी शुरू हुई है और उसका असर आगे के आंकड़ों में दृष्टिगोचर होगा। इसके अलावा, हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि विश्व-अर्थव्यवस्था ट्रेड वॉर के मध्य में है। स्थिति असामान्य है।

ऋण में वृद्धि हर उस व्यवसाय में होती है, जो विकासोन्मुख होता है। विकास हेतु जोखिम लिया जाना भी आवश्यक होता है और जोखिम प्रबंधन एक महत्त्वपूर्ण विषय हो जाता है। मूलभूत सुविधाओं में निवेश करके उससे होने वाले लाभ को प्राप्त करना सरकार का एक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है। यहां समझना होगा कि निवेश वर्तमान में एवं उसका लाभ भविष्य में प्राप्त होता है। इसी दूरी को पाटने के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। ऋण देयताओं में वृद्धि विकास का द्योतक है, दिवालियेपन का नहीं। बैंक भी मूलभूत सेक्टर है, इसके लिये पूंजी का इंतज़ाम सरकार के उन लक्ष्यों में से एक है, जिसके कारण सरकार का उधार बढ़ा है। उधार की मात्रा जरूर बढ़ी है मगर इसमें चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि सरकार को पूरा अधिकार है कि वह अपने घाटे को कण्ट्रोल में रखने के लिए मार्किट से उधार ले, जब तक कि उसकी भुगतान क्षमता का ह्रास न हो। कर्ज-भुगतान के जितने भी मानदंड हैं,वह देश में इस समय काफी आरामदायक स्थिति में हैं। इस समय लोक सभा के आम चुनाव नजदीक है और अंतरिम बजट प्रस्तुत होना है। वित्तमंत्री के सामने कई चुनौतियां हैं। सबसे प्रमुख चुनौती कृषि उत्पाद क्षेत्र में कीमतों की कमी का मामला है। किसानों को अपने उत्पादों के उचित दाम नहीं मिल पा रहे हैं। इस सेक्टर को काफी सहायता की आवश्यकता है। इस कार्य में बैंकों का सहयोग काफी जरूरी है। इधर, बैंकों ने अपने परिचालन एवं अपने लाभ को बढ़ाने के लिए सरकार से कैश रिज़र्व अनुपात को

खत्म अथवा कम करने की मांग की है। कॉरपोरेट सेक्टर भी रेट कट की मांग कर रहा है। कुछ का मानना है कि 50 आधारभूत बिंदु तक रेट कम किया जाए ताकि क्रेडिट प्रवाह बढ़ाया जा सके। ऐसी स्थिति में जिस ऋण की वृद्धि को लेकर चिंता जताई जा रही है, उसका और बढ़ना तय है। इसमें कोई हर्ज भी नहीं है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प जब अपना चुनाव प्रचार कर रहे थे तो उन्होंने अपने देश के सरकारी ऋण को आठ वर्षो में शून्य करने का वादा किया था। मगर वहां सरकारी ऋण देयता कम होने की बजाय बढ़ी है। इसके बावजूद अमेरिका आज भी मजबूत स्थिति में है। उसकी मुद्रा की ताकत बढ़ी है। अमेरिका में रेट वृद्धि का चक्र उसकी अर्थव्यवस्था की तेज़ी को इंगित कर रहा है। कई इकनोमिक योरी न घाटे को गलत मानती हैं और न बढ़े हुए ऋण को; क्योंकि उनके अनुसार खर्च किया जाना समाज की गुणवत्ता के लिए आवश्यक है। इसके अनुसार जो भी राजकोषीय घाटा है वह प्राइवेट सेक्टर में संग्रहीत रहता है। और वह एक तरह से जोखिम प्रबंधन भी है। इस तरह से एक नई सोच जनम ले रही है और वह सही भी है। वह सोच है कि जब तक पैसा समाज के विकास में खर्च किया जाए; कर्ज लेने में हर्ज नहीं है। इसलिए कि सरकार के पास करेंसी छापने का हक हमेशा सुरक्षित रहता है। भारत में राजकोषीय घाटा एवं ऋण देयताएं किसी युद्ध के खर्चे अथवा अन्य अनुपयोगी कायरे के लिए नहीं, बल्कि बैंकों को को पूंजी, गरीब किसानों की ऋण माफी, स्वास्य स्कीम, मूलभूत सुविधाओं के विकास, स्वच्छता अभियान, रोजगार एवं लघु उद्योग के विकास पर खर्च हो रही हैं। ऐसे में कोई आर्श्चय नहीं होना चाहिए कि सरकार किसी ऐसी बड़ी स्कीम की घोषणा करे जिसमें एक से दो लाख करोड़ रुपये और भी खर्च हों। इस बढ़ी हुई ऋण देयता का पैसा यदि गरीब किसानों के कल्याण में एवं विकास-कायरे में खर्च हो तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। जब भी हम किसी राजमार्ग पर टोल टैक्स देते हैं तो हमें बुरा महसूस नहीं होता क्योंकि अच्छी सड़कों के चलते हमारा काफी समय और ईधन बचता है। व्यापार में भी लाभ होता है। ऐसे में क्या हम सोच पाते हैं कि वह टोल टैक्स केवल मात्र ऋण की अदायगी एवं रख-रखाव का खर्च है; जिसे लेकर उसको बनाया गया। ऐसा ऋण भविष्य में चुक जाता है और राजमार्ग देश की तरक्की में योगदान करता रहता है। इसी तरह हमें ऋण देयताओं के परिमाण की बजाय उस मद की ओर ध्यान देना चाहिए, जहां वह खर्च हुआ। इस संदर्भ में वर्तमान सरकार की मंशा एवं इस बढ़े हुए ऋण का असर नेगेटिव न होकर पॉजिटिव ही मानना होगा।

चलते चलते

फोन पर दरियाफ्त

राजनेता या तो किसी रिजार्ट में जा रहे होते हैं या वहां से आ रहे होते हैं या जाने की तैयारी कर रहे होते हैं। कई राजनेताओं के परिजनों से उनके बारे में फोन पर दरियाफ्त करो, तो संवाद यों होता है-जी नमस्कार नेताजी हैं क्या। नेता परिजन बताते हैं-जी पता नहीं है, कहां हैं। पार्टी दफ्तर की तरफ निकले थे, पर अब टीवी पर आ रहा है।

विविद्यालय द्वारा आयोजित राजनीति-आधुनिक संदर्भ विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता निबंध इस प्रकार है- राजनीति को इधर समझना मुश्किल हो गया है। राजनेता या तो किसी रिजार्ट में जा रहे होते हैं या वहां से आ रहे होते हैं या जाने की तैयारी कर रहे होते हैं। कई राजनेताओं के परिजनों से उनके बारे में फोन पर दरियाफ्त करो, तो संवाद यों होता है-जी नमस्कार नेताजी हैं क्या। नेता परिजन बताते हैं-जी पता नहीं है, कहां हैं। पार्टी दफ्तर की तरफ निकले थे, पर अब टीवी पर आ रहा है कि उन्हें घेर बांधकर रिजार्ट की तरफ ले जाया गया है। जी, उनके कब तक लौटने के आसार हैं। नेता परिजन बताते हैं-जी हमें तो न मालूम कब लौटेंगे। एक खबर है कि यहां के रिजार्ट से कहीं और के रिजार्ट में ट्रांसफर कर देंगे, फिर वहां से किसी और रिजार्ट में भी ट्रांसफर हो सकता है। रिजार्ट गये नेता और मुंबई की बरसात का कोई भरोसा नहीं है। कब आ जाये, कब न आये। तो कुल मिलाकर पॉलिटिक्स रिजार्ट केंद्रित हो गयी है। रिजार्ट हमेशा मस्ती केंद्रित रहे हैं। पॉलिटिक्स मस्ती केंद्रित हो गयी है। हालांकि पॉलिटिक्स कब मस्ती केंद्रित न थी, यह सवाल अपनी जगह बना ही हुआ है। राजनीति को समझना इधर बहुत ही मुश्किल हो गया है। विधायक जब रिजार्ट में जाता है, तो इस पार्टी का होता है, जब वहां से आता है, तो किसी और पार्टी का हो जाता है। कौन किस पार्टी का है, यह भी समझना आसान नहीं है। राजनीति को एक तरह से आधुनिक कविता की संज्ञा दी जा सकती है, जिसकी व्याख्या हर कोई अपने-अपने हिसाब और सुविधा से कर सकता है। कुछ पंक्तियां देखें-तू,मैं,तू-तू,मैं-मैं। अब इस कविता को महान भी घोषित किया जा सकता है और कतई बेवकूफाना भी। महान यों घोषित किया जा सकता है कि यह कविता कितने समावेशी मूल्यों का उन्नयन कर रही है- तू को मैं से मिला रही है। मैं को तू से मिला रही है। तू और मैं मिलकर ऐसा विराट समग्र रचते हैं, जो परम उदात्त भाव में समस्त विश्व को समाहित कर सकता है। तो यह महान बताने वाली व्याख्या है। तो जैसे आधुनिक कविता को सीधे समझना मुश्किल है, वैसे ही आधुनिक राजनीति को भी सीधे समझना मुश्किल है।

सत्संग

मनुष्य का धर्म

जो लड़ने की वृत्ति है। लड़ने की वृत्ति के हजार रूप होते हैं। लड़ने की वृत्ति बड़ी फ्लेक्सिबल चीज है। हमने क्या किया है? पहले तो हम जो बुनियादी चीजें हैं, उनको स्वीकार नहीं करते हैं। लड़ने की वृत्ति। को हमें स्वीकार करना चाहिए, यह है। लेकिन हम कहेंगे,मनुष्य का धर्म नहीं है लड़ना। हम क्या करेंगे? पहले तो इसको इनकार कर देंगे, मनुष्य का धर्म ही नहीं है लड़ना, यह तो पशु का धर्म है। इसको पशु का धर्म तय कर देंगे और मनुष्य भी लड़ने की वृत्ति से भरा हुआ है, जो स्वाभाविक है; इसके लिए हम और कुछ न करेंगे और मनुष्य को समझाएंगे कि मनुष्य कभी लड़ता नहीं। मनुष्य तो महान है। अब यह उस बेचारे के भीतर जो वृत्ति है, वह क्या करे? अब वह कोई तरकीबें निकाल लेता है-मस्जिद के पीछे से लड़ेगा, मंदिर के पीछे से लड़ेगा, भाषा के पीछे से लड़ेगा। अगर हम सीधा-सीधा स्वीकार कर लें कि लड़ने की वृत्ति मनुष्य का हिस्सा है, तो हम उसके लिए आउट-लेट खोज सकते हैं, यह ज्यादा उचित है। जैसे, खेल में, अगर हम अपने मुल्क के लड़कों को तीन घंटे ग्राउंड पर खेल खिला सकें तो हम मुल्क के नब्बे परसेंट उपद्रव को बंद कर दें। अब एक उम्र है, जब एक बच्चा दो घंटे तक गेंद फेंकता है, वह उसको नहीं मिलता है फेंकने को, वह पत्थर फेंकता है। वह पत्थर बस पर फेंकेगा, शीशे पर फेंकेगा। आप उसको तीन घंटे ग्राउंड पर गेंद फिक्रवाते हैं। तो वह तीन घंटे बाद तृप्त होकर घर लौट आएगा। वैज्ञानिक रास्ते खोजने चाहिए। उससे ही संयम पैदा होता है। संयम संप्रेषण नहीं है। वह समझ है। अगर एक युवक एक उम्र में जब वह लड़ना चाहता है, और मैं समझता हूं कि लड़ने की बात युवा होने का लक्षण है। और जिस दिन यह बात नहीं होगी, दुनिया में, उस दिन दुनिया बड़ी फीकी हो जाएगी। अब रहा लड़ने का जो क्षण है, उस लड़ने के क्षण को हम गौरवपूर्ण बना पाते हैं कि अगौरवपूर्ण बना पाते हैं। यह हमारी सामाजिक व्यवस्था और चित्त को सोचने की बात होगी। अब जब युवक लड़ना चाहते हैं, तब वे इस ढंग से लड़ें कि लड़ना खेल हो जाए और गंभीरता न बन जाए। लड़ेंगे तो पक्का,और आपने खेल न बनाया तो वे हिंदू-मुसलमान के नाम पर लड़ लेंगे। तो जो सोसायटी निकास दे देती है, उस सोसायटी में उपद्रव दिशा ले लेगी, फिर उस उपद्रव को हम क्रिएटिव भी बना सकते हैं। अब जैसे कि खतरे की एक वृत्ति है युवक से पास। एक उम्र तक वह खतरा लेना चाहता है-चाहें तो आप हिमालय पर चढ़वा लें, समुद्र पार करवा लें, वृक्षों पर चढ़वा लें, आकाश में हवाई जहाज उड़वा लें।

फोटोग्राफी...

संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रार्थना करते विदेशी श्रद्धालु।

सियासी गलियारे में उथल-पुथल

सभा चुनाव की घड़ियां करीब आ रही है। देश के सियासी गलियारे में उथल-पुथल भी तेज होती जा रही है। पक्ष हो या विपक्ष, सभी राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण साधने में लग गए हैं। यूपी में सब वैर भुलाकर सपा-बसपा एक हो गई हैं तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में एक अलग ही मोर्चा आकार लेने में लगा है। इन्हीं सबके बीच दिल्ली कांग्रेस में एक बार फिर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की वापसी हुई है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरु आत में दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने स्वास्यगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी जगह शीला दीक्षित को दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। गौरतलब है कि लगातार पंद्रह साल दिल्ली की गद्दी पर काबिज रहने वाली कांग्रेस को गत विधानसभा चुनाव में एक भी सीट पर जीत नहीं मिल सकी। लोक सभा चुनाव में भी उसे खाली हाथ रहना पड़ा था। 2017 में हुए दिल्ली नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस, भाजपा और आप के बाद तीसरे पायदान पर रही। जाहिर है कि दिल्ली में कांग्रेस की हालत एकदम बेजान हो चुकी है। शीला दीक्षित के हटने के बाद अजय माकन को युवा नेतृत्व के भारी शोर के साथ दिल्ली की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। अजय माकन व्यक्तिगत तौर पर तो सक्रिय नजर आए, लेकिन उनकी सक्रियता का संगठन में कोई प्रभाव पड़ता नहीं दिखा। माकन के नेतृत्व में न तो दिल्ली में कांग्रेस को सांगठनिक मजबूती ही मिल सकी और न ही पार्टी को कोई राजनीति सफलता हासिल करने में ही कामयाबी मिली। जाहिर है, युवा नेतृत्व की इस विफलता के बाद अब पार्टी के पास वरिष्ठ और अनुभवी शीला दीक्षित की तरफवापस लौटने से बेहतर कोई विकल्प नहीं था। दूसरे कारण की बात करें तो वह है राज्य में शीला दीक्षित की सफलता का इतिहास। गौरतलब है कि इससे पूर्व 1998 में जब शीला दीक्षित ने दिल्ली कांग्रेस की जिम्मेदारी संभाली थी, उस समय भी पार्टी आज की तरह बेहद खराब दौर से गुजर रही थी। 1996 और 1998 में लोक सभा चुनावों सहित 1993 के दिल्ली विधानसभा तथा 1997 के नगर निगम चुनावों की लगातार पराजय से कांग्रेस हताशा में डूबी थी। ऐसे समय में दिल्ली में कांग्रेस को जीत दिलाकर शीला दीक्षित मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुई। इसके बाद 2003 और 2008 के विधानसभा चुनावों में भी शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस का विजयरथ अबाध गति से चलता रहा। दिल्ली में ढांचागत विकास के मामले में शीला दीक्षित का कार्यकाल बेहतर माना जाता है। दिसम्बर 2012 में घटित निर्भया काण्ड ने चुनाव से ठीक पूर्व शीला दीक्षित के विरु द्ध व्यापक जनाक्रोश पैदा किया। चूंकि केंद्र में भी कांग्रेस की ही सरकार थी, इसलिए शीला दीक्षित अपने बचाव में यह तर्क भी नहीं दे सकती थीं कि दिल्ली पुलिस का नियंतण्र उनके पास नहीं है। इसके अलावा, केंद्र की संप्रग सरकार के भ्रष्टाचार से उपजे जनाक्रोश का खमियाजा भी कुछ हद तक शीला दीक्षित को भुगतना पड़ा। परिणाम यह हुआ कि 2013 के चुनाव में उनका विजयरथ रु क गया और कांग्रेस राज्य में तीसरे नंबर की पार्टी बनी। इसके बाद आप के साथ कांग्रेस की गठबंधन की सरकार बनना और 49 दिन बाद गिर जाना आदि जो कुछ हुआ वह सर्वविदित इतिहास है। लेकिन आज जब एक बार फिर कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने शीला दीक्षित पर भरोसा दिखाते हुए उन्हें दिल्ली की जिम्मेदारी सौंपी है, तो उनके लिए आगे की राह बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाली है।

मर्सीडीज ट्राफी गोल्फ में खेलेंगे अगरकर और बद्रीनाथ

मुंबई ।

पूर्व क्रिकेटर अजित अगरकर और एस बद्रीनाथ यहां शुरू होने वाले 19वें मर्सीडीज ट्राफी गोल्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। मुंबई क्वालीफायर्स का 25 जनवरी को समापन होगा। मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार बांबे प्रेसीडेंसी क्लब में होने वाले इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में राष्ट्रीय फाइनल्स क्वालीफिकेशन के लिए छह स्थान दांव पर लगे होंगे जिसके लिए शहर के लगभग 300 गोल्फरों के भाग लेने की संभावना है। मुंबई चरण में शीर्ष छह स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी 27 से 29 मार्च के बीच पुणे में होने वाले राष्ट्रीय फाइनल्स में हिस्सा लेंगे।

विवादों को पीछे छोड़कर काफी आगे बढ़ गई हूं: मिताली

नेपियर

पूर्व कोच रमेश पोवार और सीओए सदस्य डायना एडुल्जी के साथ विवाद को पीछे छोड़ चुकी भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को कहा कि क्रिकेट ने उन्हें जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से निकालने में मदद की। भारतीय महिला टीम उस समय विवादों के घेरे में आ गई थी जब वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप से सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद मिताली ने पोवार पर पक्षपात का और एडुल्जी पर उसका कैरियर बर्बाद करने की साजिश करने का आरोप लगाया था। मिताली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले कहा, 'जो बीत गया, सो बीत गया। मैं आगे बढ चुकी हूं। क्रिकेट ने मुझे यह सिखाया है कि आप शतक बनाए या जीरो पर आउट हों, आगे बढने के लिए तैयार रहना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते सभी को पता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए क्या जरूरी है। हम यहां देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और एक ईकाई के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।' भारतीय टीम गुरूवार को पहला वनडे खेलेगी। महिला टीम को तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। मिताली ने कहा कि फोकस फिर क्रिकेट पर लाना जरूरी है और न्यूजीलैंड दौरा इसमें मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम पिछले चार पांच साल से साथ खेल रहे हैं लिहाजा अनुभव की कमी नहीं है। हमें हालात के अनुरूप जल्दी ढलना होगा । हम इसके लिए एक सप्ताह पहले आये हैं और अभ्यास मैच भी खेला है।' न्यूजीलैंड की कप्तान एमी सैटर्थवेट ने कहा कि वह टीम के संतुलन से खुश है।

संक्षिप्त समाचार

पेस-स्टोसुर की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न। अनुभवी लिएंडर पेस और उनकी जोड़ीदार समांथा स्टोसुर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। पेस और स्टोसुर की गैरवरीय मिश्रित युगल जोड़ी ने कोलंबियाई खिलाड़ी रोबर्ट फराह और जर्मनी की एना-लेना ग्रोनफेल्ड की जोड़ी के खिलाफ पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद दूसरे सेट को इसी अंतर से गंवा दिया। तीसरा सेट टाईब्रेकर में गया जहां भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की जोड़ी को 8-10 से शिकस्त मिली। पेस और स्टोसुर की जोड़ी ने पहले दौर के मैच में नीदरलैंड के वेस्ले कोलहोफ और चेक गणराज्य की कवेटा पेश्के की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 7-5 से हराया था। इस टूर्नामेंट में पुरूष युगल में भारतीय चुनौती पहले ही दिन समाप्त हो गई थी। अपना 24वां आस्ट्रेलियाई ओपन खेल रहे 45 साल के लिएंडर पेस और मिगुल एंजेल रेयेस वारेला को पुरूष युगल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था। जीवन नेंदुचेझियान और निकोलस मुनरो की जोड़ी भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गए थे।

स्पेनिश लीग : आईबार ने एस्पेनयॉल को 3-0 से शिकस्त दी

आईबार । स्पेनिश लीग के 20वें दौर के मैच में आईबार ने सोमवार को यहां एस्पेनयॉल को 3-0 से हराया। जानकारी के अनुसार, इस जीत के बाद आईबार 25 अंकों के साथ 11वें पायदान पर पहुंच गया है जबकि एस्पेनयॉल की टीम 24 अंकों के साथ 13वें स्थान पर खिसक गई है। आईबार को अपने घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिला। मेजबान टीम ने पहले मिनट से ही अटैकिंग फुटबाल खेली। 24वें मिनट में सर्गी एनरिक ने राउंड पर पहला गोल किया। इसके बाद, पहले हाफ में और कोई गोल नहीं हुआ। मेजबान टीम के लिए दूसरा हाफ मी दमदार रहा। 51वें मिनट में पाब्लो डे ब्लासिस ने शानदार गोल करते हुए आईबार की बढ़त को दोगुना कर दिया। एस्पेनयॉल ने गोल से पिछड़ने के बाद अपने अटैक को बेहतर करने का प्रयास किया लेकिन मेहमान टीम गोल करने में कामयाब नहीं हो पाई। मैच के 84वें मिनट में चार्ल्स ने गोल करके मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

राफेल नडाल बिना सेट गंवाए आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में

मेलबर्न ।

राफेल नडाल ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए कुछ शीर्ष खिलाडियों को बाहर का रास्ता दिखाने वाले फ्रांसेस टिफोउ को आसानी से शिकस्त देकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरूष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि महिला वर्ग में पेत्रा क्वितोवा भी अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। नडाल ने टिफोउ को केवल 107 मिनट में 6-3, 6-4, 6-2 से पराजित किया। गैरवरीय टिफोउ ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की राह में पांचवीं वरीयता प्राप्त केविन एंडरसन और 20वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव को हराया था। स्पेनिश दिग्गज नडाल बिना सेट गंवाए सेमीफाइनल तक पहुंचे जहां उनका सामना एक अन्य युवा सनसनी स्टीफेनोस स्टीपास से होगा। यूनान के इस 14वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने चौथे दौर में पिछले साल के चैंपियन रोजर फेडरर को हराया था। 20 वर्षीय स्टीपास ने क्वार्टर फाइनल में स्पेन के 22वें वरीय राबर्टो बातिस्ता आगुट 7-5, 4-6, 6-4, 7-6 (2) से पराजित किया। महिला एकल में चेक गणराज्य की 8वीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने आस्ट्रेलिया की 15वीं वरीय एशलीग बार्टी को 6-1, 6-4 से हराया। उन्हें अमेरिका की डेनिली रोज कोलिन्स से भिडना है। इस गैरवरीय खिलाड़ी ने रूस की अनस्तेसिया पावलिचेनकोवा को तीन सेट तक चले मैच में 2-6, 7-5, 6-1 से शिकस्त दी। अपने 18वें ग्रैंडस्लैम की कवायद में लगे दूसरी वरीयता प्राप्त नडाल की निगाह सभी ग्रैंडस्लैम को 2-2 बार जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बनने पर भी हैं। ओपन युग में कोई भी खिलाड़ी ऐसा कारनामा नहीं कर पाया है। आस्ट्रेलियाई ओपन में इससे पहले 2009 में एकमात्र खिताब जीतने वाले नडाल ने कहा- इस टूर्नामेंट में मुझे अपने पूरे करियर में कुछ परेशानियां हुई, इसलिए जिस तरह से आज मैंने प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। क्वितोवा दिसंबर 2016 में एक लुटेरे के हमले में चोटिल होने के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। उन्होंने कहा- मैं थोड़ा भावुक हूं लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। मैं जानती हूं कि मैंने यहां पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है।

न्यूजीलैंड कप्तान विलियमसन की अपनी टीम से दो टूक- सिर्फ विराट को रोको

नेपियर ।

पहले वनडे शुरू होने से पहले जहां न्यूजीलैंड के रोस टेलर ने अपनी टीम को कोहली की बजाय पूरी टीम को रोकने की रणनीति बनाने की सलाह दी थी तो वहीं, मैच शुरू होने से पहले रात को न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने इस मामले पर अपनी अलग ही प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भारतीय कप्तान कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि उनका ध्यान सीमित ओवरों की संख्या के दौरान भारतीय टीम से 'सर्वश्रेष्ठ तरीके से कैसे निपटा जाए' इस पर रहेगा। इस दौरान हमें टीम के तौर पर सिर्फ भारतीय कप्तान को रोकने का प्रयास करना होगा। विलियमसन ने कहा- निश्चित तौर पर विराट जैसे खिलाड़ी की मैं सराहना करता हूं और उसे खेलते हुए देखना पसंद है। वह खेल की सीमाओं को बढ़ा रहा है जो बेहतरीन है। उन्होंने कहा कि कोहली जुनूनी और विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। विलियमसन ने कहा-वह सम्मानित खिलाड़ी हैं और मैं उसे काफी लंबे समय से जानता हूं लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में बेशक वह विश्व स्तरीय है और हमारा ध्यान उसकी क्रिकेट क्षमताओं पर है कि कैसे सर्वश्रेष्ठ तरीके से हम उससे निपट सकते हैं। विलियमसन का मानना है कि कोहली जिस जज्बे के साथ अपने क्रिकेट को लेता है उससे वह दुनिया भर में दर्शकों को मैदान पर खींचकर लाता है।

स्टीपास और कोलिंस ऑस्ट्रेलियन ओपन में विजेता बनने से 2 कदम दूर

मेलबर्न।

यूनान के 'जाइंट किलर' स्टेफानो स्टीपास ने स्पेन के राबर्टो बातिस्ता को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। रोजर फेडरर को हराने वाले स्टीपास ने तीन घंटे 15 मिनट तक चले मैच में 7.5, 4.6, 6.4, 7.6 से जीत दर्ज की । वहीं महिला वर्ग में अमेरिका की 44वीं रैंकिंग वाली डेनियेले कोलिंस ने रूस की अनास्तासिया पी को 2.6, 7.5, 6.1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब उसका सामना चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना प्लिसकोवा या 15वीं वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलिया की एश बार्टी से होगा। अमेरिका में ज्यादातर कालेज स्तर पर ही खेलने वाली कोलिंस ने चौथे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एंजेलिक कर्बर को हराकर उलटफेर किया था।

टैक्स फ्रॉड में फंसे महान फुटबालर रोनाल्डो, 1.88 करोड़ यूरो का लगा जुर्माना-23 माह की जेल

मेड्रिड ।

स्पेन की स्थानीय अदालत ने दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को टैक्स फ्रॉड के एक मामले में 1.88 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया है साथ ही 23 महीने की सजा भी सुनाई है। हालांकि रियल मेड्रिड के पूर्व खिलाड़ी को जेल नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि स्पेन में दो साल से कम की सजा के लिए आमतौर पर दोषी को जेल में नहीं डाला जाता। रोनाल्डो की सजा अभियोजन पक्ष को दिए गए उस कबूलनामे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने 2011-14 के बीच टैक्स घोटाले की बात को माना है। इसके लिए उन्हें मेड्रिड की स्थानीय अदालत में पेश होने को कहा गया था। अभियोजन पक्ष ने रोनाल्डो पर 1.47 करोड़ यूरो के टैक्स फ्रॉड का आरोप लगाया था लेकिन पुर्तगाल के खिलाड़ी की अपील के बाद रकम को 57 लाख यूरो तक सीमित कर दिया था। रोनाल्डो के साथ उनके पूर्व साथी जाबी अलोंसो भी मेड्रिड अदालत में पेश हुए थे। अभियोजन पक्ष ने उनको पांच साल की सजा और 40 लाख यूरो के जुर्माने की अपील की थी। अलोंसो पर अभियोजन पक्ष ने 2010-12 के बीच टैक्स घोटाले के तीन आरोप लगाए हैं। अलोसों ने हालांकि कहा कि वह निर्दोष हैं।

भारतीय तीरंदाजी संघ से निलंबन का खतरा टला

कोलकाता ।

भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के नए अध्यक्ष बीवीपी राव और विश्व तीरंदाजी के बीच बातचीत शुरू होने के बाद एएआई पर लटकी निलंबन की तलवार फिलहाल हट गई है। राव ने विश्व तीरंदाजी के महासचिव टाम डाइलेन से स्विट्जरलैंड स्थित मुख्यालय लुसाने में मुलाकात कर उन प्रावधानों से अवगत करने की मांग की जिसे वे नए संविधान से हटाना चाहते है या इसमें जोडना चाहते है।

इस खेल की शीर्ष निकाय ने कहा फिलहाल एएआई को विश्व तीरंदाजी के अच्छे सदस्य के रूप में मान्यता प्राप्त है और कोई जुर्माना या निलंबन नहीं लगाया गया है। इससे पहले 16 जनवरी को डाइलेन ने एक ईमेल में कहा था कि विश्व तीरंदाजी ने संविधान को औपचारिक रूप से अनुमोदित नहीं किया था जिसके कारण 22 दिसंबर को आयोजित एएआई चुनावों को मान्यता नहीं दी गई थी। इस चुनाव में राव को अध्यक्ष चुना गया था। वैश्विक संस्था ने इसके साथ ही एएआई की आम बैठक की विवरण की मांग की जिसे राव ने मुहैया कर दिया। एएआई पर निलंबन का खतरा उस समय मंडराने लगा था जब नए कार्यकारी का चुनाव हुआ। खेल संहिता के उल्लंघन के आरोप में 2012 में एएआई को निलंबित करने के बाद पिछले साल दिसंबर में पहली इसका चुनाव कराया गया था। राव ने लुसाने से बताया- मैंने संविधान नहीं लिखा है। मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे उन प्रावधानों की एक सूची दें, जिससे हम एक अच्छा प्रशासन बनाएंगे और मैं इसे अपने नियामक इकाई और फिर अदालत में ले जाऊंगा। मैं मामला सुलझाने की पूरी कोशिश करूंगा। डाइलेन ने कहा कि भारत प्रतिभाओं से भरा तीरंदाजी क्षेत्र है और यह जरूरी कि वे एक मजबूत महासंघ का निर्माण करें जिससे उनकी क्षमता का पता चल सके। उन्होंने कहा कि विश्व तीरंदाजी भारतीय खिलाडियों के हितों का ध्यान रखेगा।

5 क्रिकेट चयनकर्ताओं को मिला 20-20 लाख रुपये का पुरस्कार

मुंबई । आस्ट्रेलिया दौर पर टेस्ट और वनडे सीरीज में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अखिल भारतीय चयन समिति के प्रत्येक सदस्य को 20-20 लाख रुपये देने की घोषणा की है। बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में 70 साल बाद आस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती और अपनी इसी सफलता को वनडे में भी दोहराया। भारत ने आस्ट्रेलिया को चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से पटका तो तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी 2-1 से जीत हासिल की। बीसीसीआई ने बयान में कहा है कि, ÷बीसीसीआई ने यह फैसला लिया है कि आस्ट्रेलिया दौरे पर ऐतिहासिक जीत के बाद पांच सदस्यीय चयन समिति के प्रत्येक सदस्य को 20-20 लाख रुपये का ईनाम दिया जाएगा।÷ सर्वोच्च अदालत द्वारा बीसीसीआई का कामकाज देखने के लिए नियुक्त की गई प्रशासकों की समिति के दोनों सदस्य- विनोद राय और डायना इडुल्जी ने भी टीम को बधाई दी है।

कोचिंग के बारे में अभी निर्णय नहीं लिया हैःगंभीर

बेंगलुरु। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि उन्होंने कोचिंग करने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह जल्द ही इस बारे में फैसला करेंगे।गंभीर ने मंगलवार को यहां एक प्रमोशनल कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, मैंने दिसंबर में क्रिकेट के सभी प्रारुपों से सन्यास ले लिया था, लेकिन भविष्य में मुझे कोच बनना है कि नहीं, इस बारे में अभी फैसला करना बाकी है। आलराउंडर हार्दिक पांड्या और बल्लेबाज लोकेश राहुल के महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले और उनके खिलाफ कार्रवाई के सवाल पर गंभीर ने कहा, कोई भी फैसला करना बीसीसीआई का काम है। मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

सूरत। देश भर में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के अंतरगत भारत को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए करोड़ों रुपए लगाए जा रहे है। वहीं सूरत शहर के बमरोली-भटार के बीच में बहने वाली खाड़ी से उसके आस-पास झुग्गी झोप्पड़ीयों में रहने वाले लोग नहाने और पीने का पानी इस्तेमाल कर रहे है। वहीं दुसरी और बमरोली विनायक नगर के पास में नव निर्मित गार्डन में लगाए गए पानी के कनेक्शन पर हजारु रुपए खर्च किए गए है ताकी पेड़ पौधों को बढने में पानी की कमी ना हो, लेकिन झुग्गी झोप्पड़ीयों में रहकर अपने परिवार का भ्रण पोषण करने वाले लोगों के लिए सूरत महानगर पालिका कोई इंतजाम नहीं कर पा रही। क्या इसका यह मतलब नहीं कि जो महानगर पालिका को मोटा घरबेरा और टेक्स देगा महानगर पालिका उसी का काम करेगी ?

26 जनवरी से सूरत रेल्वे स्टेशन पर लहराएगा 100 फुट का तिरंगा

सूरत। भारतीय रेल्वे द्वारा सूरत सहित ए 1 ग्रेड के कुल 75 रेल्वे स्टेशनों पर 100 फुट उंचा राष्ट्रध्वज लहराने का निर्णय लिया गया। सूरत रेल्वे स्टेशन परिसर में डिसेम्बर-2018 की डेडलाईन का फरमान 26 जनवरी से लहराया जाएगा। रेल्वे स्टेसन के गेट के बाजु में 100 फुट उंचा राष्ट्रध्वज और आसपास रोशनी के लिए लाइटिंग की व्यवस्था कर ली गई है। रेल्वे पोर्ड द्वारा तमान जोनने ए 1 ग्रेड के रेल्वे स्टेशन के परिसर में डिसेम्बर महिने से राष्ट्रध्वज फहराने का आदेश दिया गया है। जोके सूरत रेल्वे अधिकारियों द्वारा समय मर्यादामां काम पूरा नहीं होने से 26 जनवरी को फहराने का प्रयास करने में आ रहा है। रेल्वे तमाम जोन पश्चिम रेल्वे के सूरत, मुंबई, सेन्ट्रर और बांद्रा टर्मिनल रेल्वे स्टेशन में भी 100 फुट उंचा राष्ट्रध्वज 26 जनवरी को लहराने की तैयारियों में लगा हुआ है।

सूरत रेल्वे स्टेशन प्रांगण में राष्ट्रध्वज लहराने में एक लाइट पोल रास्ते में आ रहा था जिसकी लम्बाई को घटा दिया गया है। इस मुद्दे पर सूरत रेल्वे स्टेशन पर मुसाफिरों के बता कि भारतीय होने के नाते ये हमारे लिए गर्व की बात है परन्तु रेल्वे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए भी ध्यान देना चाहिए। जोके कितने ही मुसाफिर राष्ट्रध्वज लहराने की बात को समर्थन करते हुए बताय कि तिरंगा देशनी की शान है। सूरत रेल्वे स्टेश पर 100 फूट उंचा राष्ट्रध्वज लेहराना गर्व की बात है। राष्ट्रध्वज के सम्मान के नियमों में में बता दे कि इतने बड़े राष्ट्रध्वज की सुरक्षा बड़ी ही मुस्तैदी से करनी पड़ेगी। सूरत रेल्वे स्टेशन परिसर में राष्ट्रध्वज लगने के बाद इसकी सुरक्षा का जिम्मा आरपीएफ का रहेगा।

मंगलवार की रात्रि के समय कार चाल द्वारा चार बाईक सवारों को लिया अपनी चपेट में

सूरत। मोटा वराछा उतराणा ब्रिज के उपर से देर रात के समय एक कार (जीजे-05-जेई-4011) के चालक ने चार बाइकों को अपनी चपटे में ले लिया जिससे वहा अफरा तफरी मच गई। घटना स्थल पर मौजुद लोगों द्वारा दो चोटील लोगों को अपने बोनट पर लेकर भागते कार चाल को तात्कालिक दोड़ कर पकड़ने का प्रयास किया। कार की टक्कर से सभी बाईक सवार गंभीरत रूप से घायल हो गए जिन्हें तात्कालिक 108 की मद्द से स्मिमेर होस्पिटल में ले जाया गया । रात्रि के समय वहा पर मौजुद लोगों ने बताया कि आगे चल रही तीन बाईकों को एक के बाद एक आई-20 कार चालक द्वारा अपनी चपेट में ले लिया गया। जिसमें बाइक सवार दो व्यक्ति कार की बोन्ट पर गिर गए जिसके बाद भी कार चालक ने ब्रक नहीं लगाए। जिनको कार ब्रिज के उपर डिवाईडर के साथ घस्टिती चली गई। पुरी घटना फिल्मी स्टंट जैसी लग रही थी। परंतु ये एक रियल अकस्मात है एक व्यक्ति का माथा फटा गया और दुसरे का एक महिला सहित दो को गंभीरत चोट आई है। जब इक मामले का पुलिस को पता चला तो पुलिस दौड़ते हुए घटना स्थल पर पहुंच गई और कार चालक को पकड़ कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

सूरत में नवनिर्मित बिल्डींग से लोहे का सरिया गिरने से युवक की मौत

घटना सी.सी.टी में कैद

सूरत। सराथाणा विस्तार में एक नवनिर्मित बिल्डींग से अचानक टूट के गिरे सरीये से राहगीर का माथा फट गया। ये घटना सी.सी.टी. वी कैमरे में कैद हो गयी, इस घटना का फुटेज देख कर पुलिस भी आश्चर्य में पड़ गई। गत 17 जनवरी के दिन इस घटना में युवक की मौत हो गई थी अब पुलिस द्वारा मौत का गुनाह दाखिल कर आगे की कार्यवाही सुरु कर दी है।

गणतंत्र दिवस की परेड में गुजरात की दांडी यात्रा झांकी दिखेगी

सूरत। नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति माटामेला सिरिल रामाफोसा की विशेष उपस्थिति में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में गुजरात सरकार की ओर से चऐतिहासिक दांडी यात्रा विषयक झांकी प्रस्तुत कर गांधीजी को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्र इस वर्ष महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुझाव दिया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में भाग लेने वाली झांकियों की थीम पूज्य बापू के जीवन-दर्शन पर आधारित हो। उनके इस सुझाव का रक्षा मंत्रालय सहित सभी राज्यों ने स्वागत किया है। इसके चलते इस वर्ष गणतंत्र दिवस की परेड में गांधी जी द्वारा देश भर में किए गए कार्यों की स्मृति, नई दिल्ली के राजमार्ग पर ताजी होगी। पूज्य बापू की ऐतिहासिक दांडी यात्रा को झांकी के जरिए राजधानी के मार्गों पर सजीव किया जाएगा। इसी तरह, देश के अन्य राज्य भी उनके राज्य में गांधी जी के कार्यों से जुड़े प्रसंगों को अपनी झांकी में प्रस्तुत करेंगे।

महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक दांडी यात्रा ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका अदा की थी। जब गुजरात के समुद्र तट पर बसे गांवों के हजारों गरीब परिवारों को रोजी-रोटी देने वाले नमक उत्पादन पर अंग्रेजों ने गैरकानूनी तरीके से जबरन टैक्स वसूली का निर्णय लिया, तब पूज्य बापू ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और साबरमती आश्रम से ऐतिहासिक कूच कर दांडी में एक मुट्ठी नमक उठाकर सविनय कानून भंग किया और अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली के राजमार्ग पर आन-बान और शान के साथ निकलने वाली राष्ट्रीय परेड में गुजरात की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली इस झांकी के अग्रभाग में महात्मा गांधी जी (मोहनदास करमचंद गांधी) की अति दुर्लभ बाल्यकाल की प्रतिमा और पोरबंदर स्थित पूज्य बापू के जन्म स्थान कीर्ति मंदिर को हूबहू दिखाया गया है।

झांकी के दूसरे भाग की शुरुआत में दांडी यात्रा के साबरमती आश्रम से निकलकर दांडी पुल होते हुए दांडी गांव के समुद्र तट पर पहुंचने और वहां नमक उठाकर सविनय कानून भंग करते हुए पूज्य बापू को दिखाया गया है। यात्रा शुरू करने से पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ विचार-विमर्श कर दांडी यात्रा को अंतिम रूप दिया था, वह ऐतिहासिक पल और दांडी यात्रा की सफलता से आहत हुई अंग्रेजी हुकूमत ने पूज्य बापू को कारागार में बंद कर दिया था, वह दृश्य भी झांकी के पृष्ठ भाग में दिखाया गया है।

सूचना एवं प्रसारण विभाग के सचिव और सूचना आयुक्त के मार्गदर्शन के अंतर्गत सूचना ब्यूरो के अतिरिक्त सूचना निदेशक अरविंद पटेल और उप सूचना निदेशक मुकुंद पटेल एवं पंकज मोदी ने झांकी के संदर्भ में उल्लेखनीय कार्य किया है। झांकी का फ्रेबिकेशन कार्य तथा आर्ट वर्क स्मार्ट ग्राफ आर्ट एडवर्टाइजिंग प्रा. लि., अहमदाबाद के सिद्धेश्वर कानुगा तथा आर्ट वर्क मयुर वाकाणी एवं उनकी टीम कर रही है।

लिंबायत में सिंदूर कार्यक्रम का भव्य आयोजन

सूरत। मोदी समर्थक मंडल द्वारा प्रतिवर्ष मकरसंक्रांति के बाद महाराष्ट्रीयन परंपरा के अनुसार हल्दी-कंकू कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित होती है। इस वर्ष भी लिंबायत के निलगिरी ग्राउन्ड पर हल्दी-कंकू का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मोदी समर्थक महिला मंडल द्वारा मुख्यमंत्री विजयभाई रुपाणी की धर्मपत्नी अंजलीबेन रुपाणी को विषेष रुप से आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा वडोदरा की विधायिका मनीषाबेन वकील और पूर्व विधायिका निमिषाबेन सुथार भी उपस्थित रहीं।

सांसद सी.आर.पाटिल, गंगाबेन पाटिल, युथ फोर गुजरात के प्रमुख जिग्नेशभाई पाटिल समेत लिंबायत की विधायिका संगीताबेन पाटिल, सूरत म्युनिसिपल कोर्पोरेशन की विविध समिति के चेयरमेन, पार्षद और पूर्व पार्षदों की उपस्थिति हल्दी-कंकू कार्यक्रम में रही। इस कार्यक्रम के साथ साथ महिला सशक्तिकरण की बाते जन जन तक पहुंचाने वाले मोदी समर्थक महिला मंडल द्वारा इस साल भी 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' सूत्र पर बने 'जरा थोभो' नाटक प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में भाग लेने के विशेष रूप से पधारी अंजलीबेन रुपाणी ने महिलाओं के लिए कार्य कर रही संस्था की प्रशंसा की। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को ही आगे आने की बात कही। इस कार्यक्रम में उपस्थित रही सभी महिलाओं को प्रतिक भेट भी दी गयी।

नेहरा द्वारा ७५०९ करोड़ रुपये का ड्राफ्ट बजट पेश

एएमसी का २०१९-२० का अतिरिक्त टैक्स बिना का बजट

४०० इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी : बजट में रोड-रास्ते, पार्किंग और पर्यावरण के लिए अधिकतम प्रावधान

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिशनर विजय नेहरा द्वारा मंगलवार को वर्ष २०१९-२० के लिए राजस्व खर्च ३६०५९६ करोड़ रुपये और केपीटल खर्च ३९०९.०४ करोड़ के साथ कुल ७५०९ करोड़ रुपये का ड्राफ्ट बजट मंगलवार को स्टेन्डिग कमिटी की बैठक में पेश किया गया । म्युनिसिपल कमिशनर द्वारा सामान्य टैक्स में वॉटर और कन्जर्वन्सी टैक्स या वाहन टैक्स में किसी भी प्रकार के अतिरिक्त टैक्स बिना का बजट पेश किया गया । पहलीबार स्मार्ट अहमदाबाद की थीम पर इस बार का बजट पेश किया गया । यह बजट के द्वारा म्युनिसिपल कमिशनर ने शहर को स्वच्छ बनाने के लिए, पर्यावरण की शुद्धता, साबरमती नदी की स्वच्छता, शहर में गंभीर हुई ट्राफिक, पार्किंग और रोड-रास्ते, ब्रिज की समस्या के समाधान के लिए अधिकतम प्रावधान और बजट आवंटन किया गया है । किसी भी अतिरिक्त टैक्स बिना का एएमसी का वर्ष २०१९-२० का बजट सस्टेइनेबल अहमदाबाद, आधुनिक अहमदाबाद, एफोर्डेबल अहमदाबाद, रेसीलिएन्ट अहमदाबाद और टेक्नोलॉजी ड्रीवन अहमदाबाद स्मार्ट अहमदाबाद की मुख्य थीम पर तैयार किया गया है । पहली बार अहमदाबाद को इलेक्ट्रिक मोबीलीटी में पूरे देश में मॉडल रूप बनाने का आयोजन इस बजट में किया गया है, जिसके तहत शहर में इस वर्ष ४०० इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी तो, आगामी तीन वर्ष में अहमदाबाद शहर में एक हजार इलेक्ट्रिक बसें शहर के मार्गों पर चलेगी । इसी प्रकार से ८०० करोड़ रुपये के खर्च से ८ मल्टिलेवल पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने का आयोजन किया गया है । ५०० करोड़ रुपये के खर्च से साबरमती नदी को प्रदूषणमुक्त और शुद्ध करने का प्रॉजेक्ट शुरू किया जाएगा । जबकि एएमसी प्रशासन द्वारा फिलहाल ८ मेगावोट बिजली का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से बढ़ाकर ४४ मेगावोट बिजली उत्पादन करने का आयोजन बजट में किया गया है । मंगलवार को मेयर बीजलबहन पटेल, स्टेन्डिग कमिटी चेयरमैन अमूल भट्ट की उपस्थिति में म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा ने वर्ष २०१९-२० का ड्राफ्ट बजट पेश करते हुए बताया कि, आधुनिक अहमदाबाद और स्पोर्टस को प्राथमिकता देने के तहत साबरमती रिवरफ्रन्ट की दोनों तरफ पश्चिम किनारे पर एनआईडी के पीछे, पूर्व किनारे शाहपुर के पीछे यह आधुनिक सुविधा के साथ दो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाये जाएंगे ।

पहली बार गीले कचरे में से बायोगैस उत्पादन करके बिक्री

अहमदाबाद। एएमसी प्रशासन के वर्ष २०१९-२० के ड्राफ्ट बजट पेश करते हुए म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा ने एक महत्व की बात बताई कि, शहर के इतिहास में पहली बार अब गीले कचरे में से बायो मिथेनाइजेशन करके बायागैस उत्पादन करके इसकी बिक्री के लिए नाफेद के साथ अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा करार किया गया है । शहर में पिछले कई दिनों से सूखे और गीले कचरे अलग करने की और एकत्रीकरण के अभियान का प्रारंभ किया गया है और नागरिक भी इसमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है अब एएमसी प्रशासन ने वेस्ट में से बेस्ट की दिशा में नया आयोजन शुरू किया गया है । म्युनिसिपल कमिशनर ने बताया कि, सस्टेइनेबल अहमदाबाद के तहत विकास और प्रगति के कार्यों करने के लिए इन्टरनैशनल फंडीग के लिए एएमसी प्रशासन द्वारा ५०० करोड़ रुपये के ग्रीन बॉन्ड जारी किया जाएगा और इसके द्वारा जमा हुए रुपये से विकास के महत्व के कार्यों को किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**